प्रेस विज्ञप्ति

14 अगस्त 2021

नागरिक सुरक्षा गोरखपुर द्वारा एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन गोरख़नाथ मंदिर परिसर में,गोरखनाथ ब्लड बैंक के सहय्योग से संपादित किया गया। रक्त दान शिविर का उद्घाटन गोरखनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी योगी कमल नाथ और पुजारी योगी रामेन्द्र नाथ द्वारा किया गया। रक्त वह सजीव द्रव्य है जिसपर जीवन निर्भर होता है, रक्त मे 60 प्रतिशत द्रव और 40 प्रतिशत ठोस होता है, द्रव् को प्लाज्मा कहते है जिसमे 90 प्रतिशत पानी और 10 प्रतिशत पोषक तत्व हार्मोन लवण खनिज धातु इत्यादि अनेक प्रकार के महत्व्पूर्ण पदार्थ पाए जाते है, यह सभी तत्व सामान्य भोजन पानी से शरीर मे रक्तदान के पश्चात जल्द ही बन जाता है। लेकिन रक्त का जो ठोस भाग होता है जिसमे आर, बी, सी डब्लू, बी, सी और प्लेटलेट्स इत्यादि होते है उसे बनने मे थोड़ा समय ज्यादा लगता है।

यही पर आप रक्तदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।किसी भी रोगी मे इन तत्वों की कमी होने पर या कुछ ऐसे रोगी जिसके शरीर मे रक्त का निर्माण कम या बंद हो जता है।उस स्थिति मे आप द्वारा किये गये रक्त दान से मरीजों को जीवन दान मिलता है। ये बाते ब्लड बैंक प्रभारी डॉ अवधेश अग्रवाल ने बतायी। डाक्टर अग्रवाल ने आगे और कहा की गोरखनाथ की पवित्र भूमि पर रक्त दान एक गौरव की बात है।

डॉ संजीव गुलाटी (चीफ वार्डन) ने बताया की रक्तदान महादान है और मंदिर परिसर मे रक्त दान शिविर का आयोजन गर्व की बात है। डॉ आशीष श्रीवास्तवा (रेकी अधिकारी) ने कहा की स्व रक्तदाताओं द्वारा किये गये रक्तदान से आवश्यक मंद रोगियो के प्राणो की रक्षा होती है। श्री विकास जालान (डिवीजनल वार्डन कोतवाली)ने सभी रक्तदाताओं का धन्यवाद किया।

इस कार्यक्रम मे नागरिक सुरक्षा गोरखपुर के श्री वेद प्रकाश यादव, आदर्श आनंद, अनुपम गुप्ता, पंकज गौड़, सत्य प्रकाश सिंह इत्यादि की अहम भूमिका रही।

रक्तदान शिविर मे मुर्तज़ा आलम श्री राजेंद्र कुमार, पंकज गौड़, डॉ मनोज कुमार मिश्रा, फैज अहमद, संदीप गुप्ता, प्रतीक सरकारी, अनुपम गुप्ता सहित लगभग 65 लोगो ने रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं को सम्मान स्वरुप की चैन, मास्क, सम्मान पत्र दिया गया।

डॉ अवधेश कुमार (चिकित्साधिकारी)ने सभी रक्तदाताओं का चिकित्सिय परिक्षण किया और कॉउंसलर शोभा राय ने रक्तदाताओं को रक्तदान के विषय मे बिस्तार पूर्वक जानकारी दिया। तकनीशियन चंद्रेश्वर यादव, संदीप यादव, विकास मिश्रा गुंजा का अहम योगदान रहा।

कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंस, हैण्ड सैनिटाइजेशन तथा मास्क इत्यादि मानकों का अनुपालन करते हुए कोविड़ अनुकूल व्यवहार का अक्षरशः पालन किया गया।